ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 27 फरवरी 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 287

बछार में बनेगा 33/11 केवी जीएसएस, मावली में 2 करोड़ का स्टेडियम उदयपुर-सलूंबर को सड़क, बिजली और खेल सुविधाओं की सौगात

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में एप्रोप्रिएशन बिल पर बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर और सलूंबर जिलों के लिए कई महत्वपूर्ण विकास घोषणाएं कीं। इनमें बिजली ढांचे को मजबूत करने, सड़कों के चौड़ीकरण, खेल सुविधाओं के विकास और पशु चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। खास बात यह रही कि उदयपुर जिले की मावली विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक पुष्करलाल डांगी के क्षेत्र के लिए तीन प्रमुख घोषणाएं की गईं। मुख्यमंत्री ने उदयपुर जिले में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए दो महत्वपूर्ण फैसलों की घोषणा की। इसके तहत बछार में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण कराया जाएगा, जबकि उदयपुर शहर के भुवाणा क्षेत्र में बिजली निगम का सहायक अभियंता कार्यालय खोला जाएगा। इसके अलावा बड़गांव क्षेत्र के थूर (मारिच जमारी) में एनिकट निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 27 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है, जिससे क्षेत्र में जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। मावली विधानसभा क्षेत्र में भी कई विकास कार्यों की घोषणा की गई। एनएच-162ए से धारता वाया लदाना-खेमपुरा तक करीब 9 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य 12 करोड़ रुपए की लागत से कराया जाएगा। साथ ही मावली क्षेत्र में 2 करोड़ रुपए की लागत से खेल स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त लदानी में पशु चिकित्सा उपकेंद्र को क्रमोन्नत कर पशु चिकित्सालय बनाया जाएगा। जनजाति क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सलूंबर जिले के सोनार माता मंदिर तथा झाड़ोल क्षेत्र के पीलक में विकास और सार्वजनिक सुविधाओं के कार्य भी कराए जाएंगे। इसके अलावा सलूंबर जिले में बस्सी से सल्लाडा तक करीब 8 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए 8 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

तीसरी तिमाही में GDP ग्रोथ 7.8% रही:ट्रम्प के 50% टैरिफ के बावजूद इकोनॉमी मजबूत; कुक-ड्राइवर की कमाई भी अब GDP में शामिल

24 न्यूज अपडेट

वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में GDP ग्रोथ 7.8% रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 27 फरवरी को ये आंकड़े जारी किए। इस बार GDP की गणना बेस ईयर 2011-12 के बजाय 2022-23 के आधार पर की गई है।

इस नई सीरीज के हिसाब से तिमाही में रियल जीडीपी 84.54 लाख करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल इसी तिमाही में 78.41 लाख करोड़ रुपए थी। सरकार ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए GDP ग्रोथ का अनुमान भी बढ़ाकर 7.6% कर दिया है, जो पिछले साल 7.1% था।

FY26 में रियल GDP ग्रोथ 7.6% रहने का अनुमान। नॉमिनल GDP में 8.6% की बढ़त।

यह प्रदर्शन दूसरी तिमाही (8.4%) और तीसरी तिमाही (7.8%) में दिखी ग्रोथ की वजह से।

FY24 में 7.2% और FY25 में 7.1% की रियल जीडीपी ग्रोथ दर्ज की गई थी।

ट्रम्प के टैरिफ और ग्लोबल दबाव के बीच राहत

यह आंकड़े इसलिए भी अहम हैं क्योंकि यह डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ के बाद की पहली पूरी तिमाही है। ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की 7.8% की ग्रोथ रेट यह बताती है कि घरेलू मांग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मजबूती बनी हुई है।

प्रदेश में घरेलू गैस की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई: 12 दिनों में 3080 सिलेंडर जब्त, 634 प्रकरण दर्ज

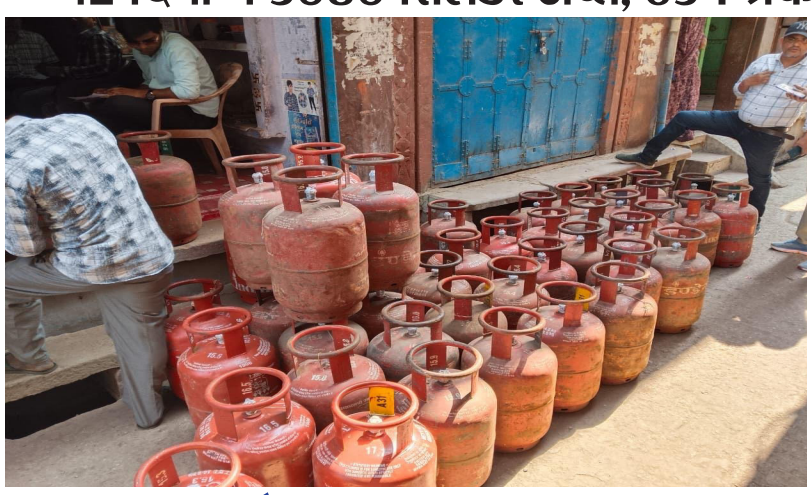

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। प्रदेश में घरेलू एलपीजी गैस के दुरुपयोग और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग राजस्थान ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। सुमित गोदारा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के निर्देश पर 16 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक प्रदेशभर में दो सप्ताह का सघन अभियान चलाया गया, जिसमें गैस एजेंसियों, गोदामों, होटल-ढाबों और संदिग्ध ठिकानों पर व्यापक जांच की गई। विभाग द्वारा गठित विशेष प्रवर्तन दलों ने राज्य के सभी जिलों में "जीरो टॉलरेंस" नीति के तहत दबिश देकर कुल 2416 प्रतिष्ठानों और संदिग्ध स्थलों की जांच की। जांच के दौरान घरेलू गैस के अवैध रिफिलिंग, भंडारण और व्यावसायिक उपयोग के 634 प्रकरण दर्ज किए गए तथा 3080 घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर 17 मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई है, जबकि अन्य मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 3967 लाभार्थियों का भौतिक सत्यापन भी किया गया। मंत्री सुमित गोदारा ने अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग और अवैध रिफिलिंग न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि यह आमजन की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि औचक निरीक्षण और विशेष अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रखे जाएं।

कोलकाता सहित बंगाल के कई जिलों में भूकंप, 5.5 तीव्रता:तेज झटके महसूस

24 न्यूज अपडेट

कोलकाता और पश्चिम बंगाल के आसपास के जिलों में शुक्रवार दोपहर करीब 1.22 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। कोलकाता में लगभग 10 सेकंड तक झटके महसूस हुए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के सतखीरा जिले में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इसकी तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। सतखीरा कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर और नॉर्थ 24 परगना जिले से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

कोलकाता में भूकंप के बाद करीब एक घंटे तक सड़कों और खुले जगहों पर अफरातफरी की स्थिति रही। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए, जिसमें भूकंप के दौरान घरों में रखे सामान और पंखे हिलते दिखाई दिए। टेबल पर बोतल में रखा पानी भी हिल रहा था।

कोलकाता के अलावा हावड़ा, हुगली, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में भी लोग दहशत में रहे। अब तक जानमाल के नुकसान या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। हालांकि कोलकाता में कुछ ऑफिस के कर्मचारियों ने दावा किया कि झटकों के कारण दीवारों में दरारें आ गईं।

सोना आज 1,065 बढ़कर 1.59 लाख पर पहुंचा:इस साल कीमत में 26 हजार का इजाफा; चांदी 7,233 महंगी होकर 2.61 लाख/किलो हुई

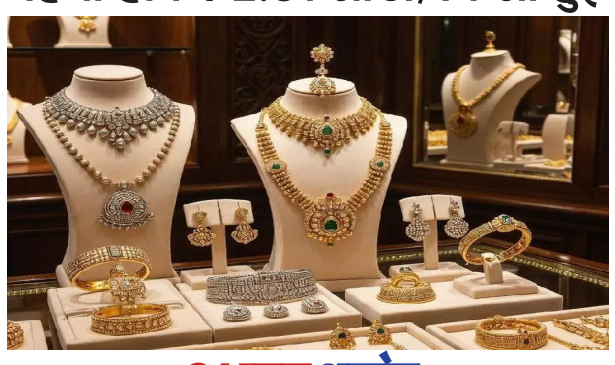

24 न्यूज अपडेट

सोना-चांदी के दाम में आज 27 फरवरी को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,065 रुपए बढ़कर 1.59 लाख पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी 7,233 रुपए बढ़कर 2.61 लाख पर पहुंच गई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 25,892 रुपए और चांदी 37,480 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सरकारी तोता फिर फंसा : कोर्ट ने कहा-सीबीआई ने की साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश, दिल्ली शराब नीति केस: केजरीवाल-सिसोदिया सहित 23 आरोपी बरी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली की चर्चित आबकारी नीति मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों को सीबीआई केस में बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने के लिए कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सका और जांच एजेंसी ने साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि आबकारी नीति के निर्माण में किसी व्यापक साजिश या आपराधिक मंशा का प्रमाण नहीं मिला। अदालत के अनुसार सीबीआई का पूरा मामला ठोस साक्ष्यों के बजाय अनुमान और विरोधाभासों पर आधारित था, इसलिए आरोप तय करने का आधार नहीं बनता। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि हजारों पन्नों की चार्जशीट में कई खामियां हैं और आरोप किसी गवाह या बयान से साबित नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि केजरीवाल का नाम बिना किसी ठोस साक्ष्य के जोड़ा गया, जो कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है, खासकर तब जब मामला किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से जुड़ा हो। कोर्ट ने मुख्य आरोपी बनाए गए कुलदीप सिंह को भी बरी करते हुए टिप्पणी की कि हैरानी की बात है कि उन्हें पहला आरोपी क्यों बनाया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई ठोस सामग्री सामने नहीं आई। वहीं, सिसोदिया पर शराब नीति बनाने और लागू करने में भूमिका का आरोप था, लेकिन अदालत ने कहा कि उनके शामिल होने का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला और न ही उनके खिलाफ कोई बरामदगी हुई। कोर्ट ने मामले की जांच को लेकर भी गंभीर टिप्पणी करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए। अदालत ने कहा कि एजेंसी ने साजिश का जो सिद्धांत पेश किया, वह मजबूत साक्ष्यों पर नहीं बल्कि अनुमान पर आधारित था। फैसले के बाद कोर्ट परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए अरविंद केजरीवाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से भारतीय जनता पार्टी उन पर शराब घोटाले के आरोप लगा रही थी, लेकिन अदालत ने सभी आरोप खारिज कर दिए। उन्होंने कहा कि उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली पर भरोसा था और अंततः सत्य की जीत हुई है। केजरीवाल ने कहा कि सत्ता के लिए उनकी पार्टी को खत्म करने की कोशिश की गई और पार्टी के प्रमुख नेताओं को जेल में डाल दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। वहीं, मनीष सिसोदिया ने फैसले के बाद कहा कि उन्हें भारतीय संविधान और उसके निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर पर गर्व है। उन्होंने कहा कि आखिरकार सच की जीत हुई है।

उधर, सीबीआई ने अदालत के फैसले से असहमति जताते हुए कहा कि जांच के कई पहलुओं को नजरअंदाज किया गया या उन पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया। एजेंसी ने कहा कि वह फैसले के खिलाफ जल्द ही दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेगी।

फैसले के बाद घर पहुंचने पर केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल से गले मिलते हुए भावुक नजर आए। यह मामला पिछले कुछ वर्षों से देश की राजनीति में सबसे चर्चित मामलों में से एक रहा है, जिस पर अब ट्रायल कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है।

सेंसेक्स 961 अंक गिरकर 81,287 पर बंद:निफ्टी में 318 अंक टूटा, 25179 पर आया; रियल्टी और ऑटो शेयरों में बिकवाली

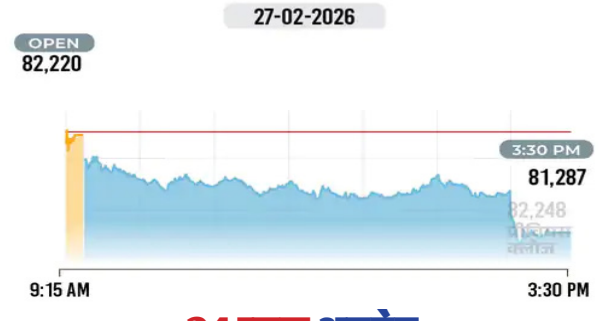

24 न्यूज अपडेट

सेंसेक्स आज यानी, शुक्रवार 27 फरवरी को 961 अंक (1.17%) की गिरावट के साथ 81,287 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 318 अंकों की गिरावट रही। ये 25,179 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में रियल्टी और ऑटो शेयरों में बिकवाली का दबाव दिखा।

संपादकीय : सद्भाव का संदेश

भारत में लोकतंत्र की परंपरा बहुत मजबूत रही है और यहां नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार संविधान के तहत मिला हुआ है। मगर इसके साथ ही कुछ जिम्मेदारियां भी अभिन्न हैं, जो आपस में मिल कर ही देश में सद्भाव और सहयोग पर आधारित समाज को जीवन देती हैं। विडंबना यह है कि कई बार अभिव्यक्ति की आजादी पर पूर्वाग्रह और महज धारणा पर आधारित राय हावी दिखती है। और इसे किसी व्यक्ति या समुदाय को कठघरे में खड़ा करने का औजार बना लिया जाता है। अपनी प्रभावी संप्रेषण शक्ति और लोगों तक व्यापक पहुंच रखने वाले कला माध्यम के रूप में फिल्मों में अभिव्यक्ति के रचनात्मक पक्ष का इस्तेमाल करते हुए बड़े से बड़े प्रश्नों पर विचार किया जाता रहा है और इसे सभी स्तरों पर स्वीकार्यता भी मिलती रही है। मगर अफसोस की बात यह भी है कि इसी सुविधा का कई बार गलत फायदा भी उठाया जाता है। अभिव्यक्ति के नाम पर किसी फिल्म में परोसी गई कहानी के जरिए किसी समुदाय के बारे में गलत धारणा बनाने की कोशिश की जाती है। इससे तरह, कुछ नेता भी अपनी जिम्मेदारियों और सीमाओं को ताक पर रख कर बेहिचक ऐसे बयान देते हैं, जिससे अलग-अलग समुदायों के बीच द्वेष पैदा होता है। जबकि इसका नतीजा इस रूप में भी सामने आ सकता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भावना आधारित संवाद या संबंध पीछे छूट जाए। जाहिर है, देश को इसके दूरगामी नुकसान हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि हाल ही में अपने शीर्षक की वजह से विवाद के घेरे में आई एक फिल्म पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के लिए भाईचारा जरूरी है। इस मामले में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने अपने अलग फैसले में कहा कि सरकारी और गैरसरकारी सहित किसी भी जानी-मानी हस्ती और खासतौर पर ऊंचे संवैधानिक पर्व पर बैठे लोगों के लिए भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य माध्यमों के जरिए किसी भी समुदाय को बदनाम करना, उस पर धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर निशाना साधना संविधान का उल्लंघन है। दरअसल, पिछले कुछ समय से देश भर में अलग-अलग संदर्भ में कुछ नेताओं के बवानों वा फिल्मों ने कई बार विवाद की स्थिति खड़ी कर दी। सार्वजनिक रूप से वैसी बातें करने में भी संकोच नहीं किया गया, जिसका कोई मजबूत आधार नहीं था, लेकिन उसने जन मानस के बीच राय बनाने में भूमिका निभाई। वे फिल्मों में चित्रित ब्योरे हों या किसी नेता का बयान ऐसे अनेक मौके सामने आए, जब उसकी वजह से नाहक विवाद खड़ा हुआ, आपसी सद्भाव को नुकसान पहुंचा और यहां तक कि कोई खास समुदाय अपने आपको कठघरे में खड़ा या असुरक्षित महसूस करने लगा। सवाल है कि किसी व्यक्ति या समुदाय को लक्ष्य कर बोलने की आजादी के तहत जो भी कहा जाता है, क्या कभी उसके आधार और असर को लेकर भी विचार करने की कोशिश की जाती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सद्भावना और आपसी भाईचारा देश के संविधान के बुनियादी उद्देश्यों में से एक है। अनुच्छेद 51ए (ई) के तहत हर नागरिक का यह बुनियादी कर्तव्य है कि वह धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय विविधताओं की सीमा से अलग होकर नागरिकों के बीच सद्भावना और सहयोग को बढ़ावा दे । मगर धर्म, भाषा, जाति या क्षेत्र के आधार पर अगर किसी व्यक्ति या समुदाय को निशाना बनाया जाता है, तो यह संविधान और मानवीय मूल्यों का विरुद्ध है।

बेजा इस्तेमाल

किसी भी देश में सरकारी तंत्र में वित्तीय अनुशासन का अपना महत्त्व है। सरकारी खजाने की राशि सावधानी से और प्राथमिकता के आधार पर ही खर्च की जानी चाहिए। मगर यह राशि जब कल्याणकारी योजनाओं में लगाने या विकास के लिए संसाधन जुटाने के बजाय सरकारी दौरे तथा आतिथ्य प्रबंधन में बर्बाद होने लगे, तो जनता का भरोसा टूटता है। आज एक ओर भारत के दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के दावे किए जा रहे हैं, तो दूसरी ओर देश के कुछ अधिकारी और नेता फिजूलखर्ची से बाज नहीं आ रहे। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी के प्रस्तावित सरकारी दौरे में पद और सार्वजनिक संसाधनों के बेजा इस्तेमाल का मामला सामने आने से एक बार फिर यही जाहिर हुआ है कि पद और रसूख के प्रभाव के पीछे सामंती सोच का ढांचा किस तरह काम करता है। अधिकारी की यात्रा के लिए जिस तरह से पचास अन्य अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने की खबर आई, वह चौंकाने वाली है। इसमें उनको तौलिया कंघी और तेल से लेकर अंतःवस्त्र तक जुटाने की हिदायत दी गई थी। सरकारी यात्रा से जुड़े इन आतिथ्य इंतजामों का ब्योरा चर्चा में आने के बाद संचार मंत्री ने इसे 'बेहद ही बेतुका', 'स्तब्ध कर देने वाला' तथा अस्वीकार्य बताया। इस तरह के आतिथ्य प्रबंधन संबंधी आदेश से बीएसएनएल की तो फजीहत हुई ही, वहीं यह सच्चाई भी सामने आई कि कई सरकारी दौरे में कैसे जम कर फिजूलखर्ची होती है। एक ओर, जनहित की योजनाओं को लागू करने में देरी के सवाल पर धन की कमी को कारण बताया जाता है, वहीं सरकारी तंत्र में पसरी फिजूलखर्ची पर लगाम लगाना जरूरी नहीं समझा जाता । यह छिपा नहीं है कि सरकारी गाड़ियों के दुरुपयोग से लेकर कई तरह के भत्तों पर बेतहाशा खर्च के साथ-साथ अधिकारियों के अनावश्यक दौरों और सरकार के विज्ञापनों पर किस तरह करोड़ों रुपए बहाए जाते हैं। जबकि जनता का यह धन अनेक तरह के करों के जरिए जुटाया गया होता है। इस मामले में बेशक तत्काल कार्रवाई की गई हो, लेकिन सरकारी तंत्र में धन की बर्बादी कैसे हो रही है, यह उसकी यह बानगी भर है। इसे गंभीरता से लेने और इस तरह की प्रवृत्ति पर सख्ती से लगाम लगाने की जरूरत है।

फिर 3 जगह चला यूडी टेक्स का डंडा, प्रभावशाली लोगों को बचा तो नहीं रहा निगम, सूची सार्वजनिक करने से डरते क्यों हैं अफसर!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगरीय विकास कर को लेकर निगम ने शुक्रवार को फिर से अचानक कार्रवाई हुई। ऐसा लगता है कि हर पांच सात दिन में अफसर नींद से जागते हैं और अचानक उनको याद आता है कि यूडी टेक्स पर कार्रवाई करनी है। उसके बाद वे कुछ मामलों की फाइल मंगवा कर उन पर उंगली रख देते हैं कि इनको सीज कर आओ। जबकि जनता बार बार ये मांग कर रही है कि एक ऐसी लिस्ट सार्वजनिक की जाए कि किस—किस महानुभाव का कब—कब से टेक्स बकाया है व अगला नंबर आखिर किसका कब आने वाला है। जो जमा नहीं करवा रहे हैं उसकी सूची में आने वाले दिनों में किन पर कार्रवाई की जाने वाली है। जब आप कार्रवाई करके नाम सार्वजनिक कर रहे हो तो फिर सूची दिखाने में क्या आपत्ति हो सकती है। कहा जा रहा है कि निगम के अफसरों को इस बात का डर है कि सूची सामने आ गई तो कई बड़े बड़ों के नाम सामने आ जाएंगे। उनके भी जिनके कारण उनका निगम में वजूद व रसूख बरकरार है। जो इनको लाए हैं उनका नाम आखिर कैसे सार्वजनिक कर दें ये पसोपेश वाली स्थिति है। याने अफसर जनता के लिए नहीं, खास लोगों के लिए काम कर रहे हैं। अगर ऐसा नहीं है तो निगम की वेबसाइट पर सार्वजनिक कर देना चाहिए कि कौन कौन यूडी टेक्स के डिफाल्टर हैं। सवाल ये हैं कि आज की कार्रवाई के तीन नाम कैसे चुनें। क्या उनका नंबर वरीयता में था। यदि था तो लिस्ट कहां हैं, सार्वजनिक करो। अगर नहीं कर सकते तो फिर जनता की आलोचना भी सुननी ही पडेगी, बार बार सुननी पड़ेगी। आईएएस अफसर भी जनता के पैसों से ही तनख्वाह पाता है, वह जनता से उपर कतई नहीं है। आज निगम की विज्ञप्ति में बताया गया कि 3 संपत्तियों की सीज किया है। निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने स्पष्ट किया है कि निगम, नगरीय विकास कर को लेकर किसी भी प्रकार से कोई रियायत नहीं करेगा। मगर खन्ना साहब ये नहीं बता रहे हैं कि वो सूची कौनसी है जिससे कि जब्ती का नंबर आ रहा है। बताया जा रहा है कि 31 मार्च तक विशेष छूट का प्रावधान किया गया है जिसका लाभ लेते हुए लोगों को नगरीय विकास कर जमा करवाना है।

ये आए लपेटे में

शुक्रवार को भूपालपुरा बजाज भवन लक्ष्मण दास बजाज, किसनदास बजाज जिसका नगरीय विकास कर कुल 1,31,410/- बकाया था जिसे सीज किया गया। चेतक सर्किल स्थित भगवत सिंह छाबड़ा की संपत्ति जिसका नगरीय विकास कर कुल 1,89,090/- रूपये बकाया था जिसे भी सीज किया गया। आयड धुलकोट से ठोकर चौराहा रोड स्थित जयप्रकाश चौहान (श्रीनाथ सर्विस सेंटर) की संपत्ति जिसका कुल 1,32,004 /- रुपया नगरीय विकास कर बकाया चल रहा था उसको भी सीज किया गया। आयुक्त खन्ना के अनुसार इनके द्वारा नगरीय विकास कर की राशि जमा नहीं कराने से नगर निगम द्वारा इन व्यावसायिक सम्पतियों पर ताला लगा इनकी व्यावसायिक गतिविधियाँ बन्द करा दी गई। संबंधित फर्मों द्वारा टैक्स बकाया रहने के लिए कोई संतोषप्रद कारण भी नही बताया गया। फर्म से कुल बकाया का नोटिस भी तामिल करवाया जा चुका था। सभी कार्यवाही पूरी करने के उपरांत निगम ने कार्यवाही करते हुए राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा की उपबंधो के अधिन यू डी टैक्स की वसूली की पूर्ती हेतु चार संपतियो को सीज करने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान राजस्व निरीक्षक मोहित अग्निहोत्री, विजय जैन और भारी पुलिस बल मौजूद रहा। सीज करने के पश्चात चेतक सर्किल स्थित भगवत सिंह छाबड़ा की संपत्ति जिसका नगरीय विकास कर कुल 1,89,090/- रूपये बकाया था, ने निगम आकर अपनी राशि जमा करवाई।

माण्डवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 170 किलो गांजा व 256 किलो अफीम की खेती जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन त्रिनेत्र" के तहत डीएसटी और माण्डवा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में गांजा और अफीम की अवैध खेती जब्त की है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान करीब 170 किलो सूखा व गीला गांजा तथा लगभग 256 किलो अफीम की अवैध खेती नष्ट कर जब्त की है। महानिरीक्षक पुलिस, उदयपुर रेंज के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर के निर्देशन में डीएसटी से मिली सूचना पर पुलिस थाना माण्डवा की टीम ने थाना क्षेत्र के भागा फला, गांव खापा में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी भूरा पुत्र रावता गमेती के घर और खेतों की तलाशी ली गई। पुलिस को आरोपी के घर से विभिन्न कट्टों में भरा हुआ करीब 55 किलो सूखा गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा खेतों में उगाई गई लगभग 120 किलो गीले गांजे की फसल भी जब्त की गई। वहीं खेत में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को भी नष्ट कर जब्त किया गया, जिसका कुल वजन करीब 256 किलो आंका गया है। पुलिस के अनुसार पहाड़ी क्षेत्र होने का फायदा उठाकर आरोपी भूरा गमेती मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। इस संबंध में थाना माण्डवा में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 और 8/20 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार "ऑपरेशन त्रिनेत्र" के तहत उदयपुर जिले में अवैध मादक पदार्थों—डोडा-चूरा, अफीम और गांजा—के खिलाफ यह एक बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इधर डीएसटी की इस कार्रवाई के बाद उसी क्षेत्र में एएनटीएफ से मिली सूचना पर माण्डवा थाना पुलिस द्वारा एएनटीएफ के सहयोग से एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों किलो अफीम और डोडा-चूरा की जब्ती की प्रक्रिया जारी है।

अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़, 7 देशी बंदूकें जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के भीण्डर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध हथियार निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से सात देशी बंदूकें और हथियार बनाने में प्रयुक्त सामग्री जब्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा अंजना सुखवाल तथा वृताधिकारी वल्लभनगर राजेन्द्र सिंह जैन के सुपरविजन में भीण्डर थानाधिकारी प्रशिक्षु आरपीएस रामकुमार भादू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस को मिली आसूचना के आधार पर ग्राम बोरतलाई में दबिश दी गई, जहां आरोपी किशनलाल और उसके पुत्र हेमराज व हीरालाल बिना किसी लाइसेंस या वैध दस्तावेज के अवैध हथियार निर्माण का कारखाना संचालित कर रहे थे। पुलिस टीम ने मौके से पांच एकनाल टोपीदार देशी बंदूकें तथा दो अर्धनिर्मित बंदूकें बरामद की। इसके साथ ही हथियार बनाने में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण और सामग्री भी जब्त की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी अवैध रूप से बंदूकें बनाकर उनकी बिक्री करने की तैयारी में थे। कार्रवाई के दौरान तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में थाना भीण्डर में प्रकरण संख्या 37/2026 धारा 3/25 व 5/25 आयुध अधिनियम 1959 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

गिरफ्तार आरोपी

किशनलाल पुत्र उंकार, निवासी बोरतलाई मोड़, थाना भीण्डर, जिला उदयपुर

हेमराज पुत्र किशनलाल, निवासी बोरतलाई मोड़, थाना भीण्डर, जिला उदयपुर

हीरालाल पुत्र किशनलाल, निवासी बोरतलाई मोड़, थाना भीण्डर, जिला उदयपुर

स्कूली बच्चों ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर अनोखा जनजागरूकता अभियान चलाया गया। क्रश फ्री इंडिया और आधार फाउंडेशन के तत्वावधान में स्कूली बच्चों ने सड़क पर उतरकर दुपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को यातायात नियमों का संदेश दिया। अभियान के तहत बच्चों ने सड़क सुरक्षा और जीवन रक्षा का संदेश लिखे कार्ड वाहन चालकों को वितरित किए। जिन दुपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, उन्हें हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया गया, जबकि हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वालों को चॉकलेट खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसी तरह चौपहिया वाहन चालकों को भी कार्ड और चॉकलेट देकर सीट बेल्ट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। स्कूली बच्चों ने राहगीरों और वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर सुरक्षित ड्राइविंग की अपील की। संस्था के सदस्यों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम किया जा सके।

रमजान के दूसरे जुमे पर शहर में दिखी खास रौनक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पवित्र माह रमजान के दूसरे जुमे पर झीलों की नगरी उदयपुर की मस्जिदों में अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ी। दोपहर की नमाज के दौरान शहर की तमाम छोटी-बड़ी मस्जिदों में नमाजियों ने पूरे एहतराम और अकीदत के साथ इबादत की, जिससे पूरे शहर में रमजान की विशेष रौनक देखने को मिली। शहर के अंजुमन, चेतक सर्कल, सविना, मल्लातलाई और हाथीपोल सहित विभिन्न क्षेत्रों की मस्जिदों में दोपहर की अजान से पहले ही नमाजियों का पहुंचना शुरू हो गया था। रमजान के जुमे की विशेष अहमियत के कारण मस्जिदों में आम दिनों के मुकाबले कहीं अधिक भीड़ रही। कई जगह मस्जिदों के अंदर जगह कम पड़ने पर नमाजियों ने सहन और आसपास की सड़कों पर सफें बिछाकर नमाज अदा की। इस्लाम में शुक्रवार को 'सय्यदुल अय्याम' यानी दिनों का सरदार माना जाता है और रमजान के महीने में इसका महत्व और बढ़ जाता है। इसी वजह से बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में मस्जिदों में पहुंचे और इबादत में शामिल हुए। नमाज के बाद मस्जिदों में विशेष दुआएं भी की गईं। इमामों ने अपने खुतबे में रमजान की फजीलत पर रोशनी डालते हुए रोजेदारों को नेक रास्ते पर चलने की नसीहत दी। सामूहिक दुआ में मुल्क की खुशहाली, भाईचारे और अमन-चैन के लिए हाथ उठाए गए। जुमे की नमाज को लेकर शहर के बाजारों में भी खास रौनक देखने को मिली। नमाज के बाद इत्र, टोपी और खजूर की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं प्रशासन की ओर से मस्जिदों के आसपास सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे, ताकि नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उदयपुर में 'श्रीअन्न मिलेट क्रांति' कार्यक्रम 28 फरवरी को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में स्वस्थ जीवनशैली और पारंपरिक अन्न के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 फरवरी 2026 को "श्रीअन्न मिलेट क्रांति – उदयपुर मिलेट कार्यक्रम" का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम ग्रीन पीपल सोसायटी, उदयपुर एवं रोटरी क्लब ऑफ उदई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मिलेट सिद्ध आचार्य श्री अशोक शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे बीमारियों के अनुरूप आहार प्रोटोकॉल, कंसल्टेंसी एवं काउंसलिंग के माध्यम से मिलेट आधारित संतुलित भोजन के लाभों पर विस्तृत जानकारी देंगे। आयोजन का उद्देश्य आमजन को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों में श्रीअन्न (मिलेट्स) की उपयोगिता से अवगत कराना है। कार्यक्रम 28 फरवरी को प्रातः 11 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक टाउन प्लानर्स इंस्टीट्यूट, सेलिब्रेशन मॉल के पास, उदयपुर में आयोजित होगा। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वस्थ जीवन की दिशा में सकारात्मक पहल से जुड़ने का आह्वान किया है। ग्रीन पीपल सोसायटी उदयपुर के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने बताया कि मिलेट्स को दैनिक आहार में शामिल कर हम न केवल अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने इच्छुक नागरिकों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

राजुवास वीसी नियुक्ति विवादः राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्यपाल को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

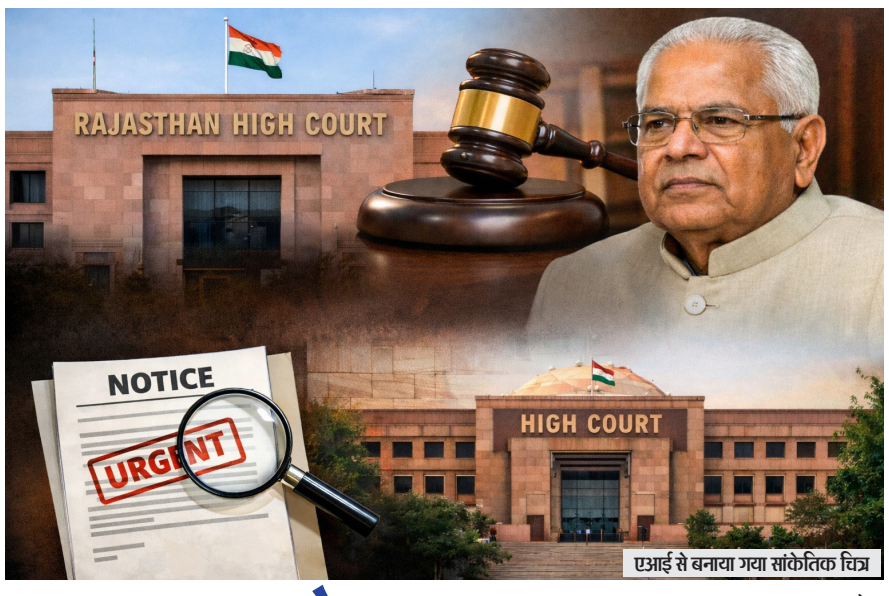

एआई से बनाया गया सांकेतिक चित्र

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटेनरी एंड एनिमल साइंसेज (राजुवास) के कुलगुरु (वाइस चांसलर) की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे को उनके सचिव के माध्यम से नोटिस जारी किया है। अदालत ने राज्यपाल सहित अन्य पक्षकारों से तीन सप्ताह में जवाब तलब किया है। यह आदेश न्यायाधीश जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने डॉ. आर. के. बाघेरवाल की ओर से दायर याचिका पर 25 फरवरी को सुनवाई करते हुए दिया।

वीसी नियुक्ति को दी गई चुनौती

याचिका में कहा गया है कि राज्यपाल ने 4 सितंबर 2025 को डॉ. सुमंत व्यास को राजुवास का कुलगुरु नियुक्त किया था, लेकिन यह नियुक्ति नियमानुसार नहीं की गई। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से इस नियुक्ति को निरस्त करने की मांग की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिनेश यादव ने अदालत को बताया कि राज्यपाल के आदेश से वीसी नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी गठित कर 3 मई 2025 को विज्ञापन जारी किया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि यूजीसी के नियमों के अनुसार सर्च कमेटी का अध्यक्ष उस विश्वविद्यालय से संबद्ध नहीं होना चाहिए, जबकि कमेटी का चेयरमैन प्रोफेसर त्रिभुवन शर्मा को बनाया गया, जो विश्वविद्यालय के एनिमल न्यूट्रिशन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष (एचओडी) रह चुके हैं।

अनुभव को लेकर भी आपत्ति

याचिका में यह भी कहा गया कि वीसी नियुक्त किए गए डॉ. सुमंत व्यास के पास 10 वर्ष का अनिवार्य शिक्षण अनुभव नहीं है। ऐसे में उनकी नियुक्ति यूजीसी के नियमों के विपरीत है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। मामले में अदालत ने राज्यपाल, विश्वविद्यालय के कुलगुरु, रजिस्ट्रार तथा राज्य सरकार से जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि डॉ. सुमंत व्यास इससे पहले राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी) में वैज्ञानिक के रूप में कार्य कर चुके हैं और बाद में जोधपुर स्थित केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) के निदेशक भी रहे हैं।

जयपुर में सवारियों से भरी बस में अचानक लगी आगः70 यात्रियों ने कूदकर बचाई जान, आधे घंटे में बस कबाड़ में बदली

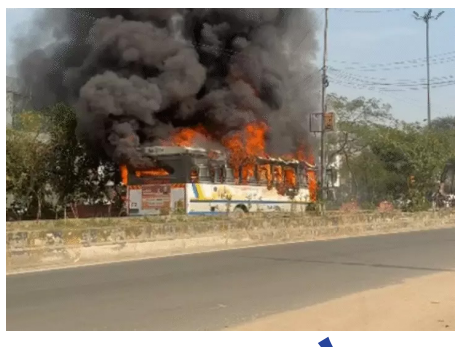

24 न्यूज अपडेट

जयपुर में राजस्थान रोडवेज की चलती बस में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद 70 सवारियों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। मानसरोवर फायर स्टेशन से पहुंची 2 दमकलों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शॉर्ट सर्किट से लगी आग से बस पूरी तरह जलकर कबाड़ में बदल गई। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 2:40 बजे मानसरोवर रीको चौराहे पर हुआ।।

मानसरोवर फायर स्टेशन के फायरमैन शकुंतला सैनी ने बताया- जयपुर के सिंधीकैम्प से राजस्थान रोडवेज की बस केकड़ी जाने के लिए शुक्रवार दोपहर रवाना हुई थी। रोडवेज बस में केकड़ी जाने के लिए 70 यात्री सवार थे। मानसरोवर रीको चौराहे से सांगानेर की ओर जाते समय अचानक चलती बस में आग लग गई।

सवारियों को बाहर निकाला

शकुंतला सैनी ने आगे बताया- धुआं निकलने के साथ ही आग की लपटें चलती बस से उठती दिखाई दीं। ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका। बस में सवार सभी सवारियों को जैसे-तैसे बाहर निकाला गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। शॉर्ट सर्किट से लगी आग वायर से होते हुए इंजन तक पहुंच गई।

रोडवेज बस में आग लगने की सूचना पर फायर स्टेशन से 2 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड स्टाफ ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से रोडवेज बस जलकर पूरी तरह कबाड़ में बदल गई। हादसे में किसी व्यक्ति के झुलसने या चोटिल होने की बात से इनकार किया गया है।

3.80 लाख रुपए की रिश्वत लेते भू-अभिलेख निरीक्षक गिरफ्तारःजमीन तकासमा के एवज में मांगे थे 5 लाख; SDO के नाम पर भी मांग रहा था

24 न्यूज अपडेट

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जयपुर पश्चिम वृत्त के भू-अभिलेख निरीक्षक (लैंड रिकॉर्ड इंस्पेक्टर) को शुक्रवार दोपहर अरेस्ट किया है। ACB टीम ने भू-अभिलेख निरीक्षक को 3.80 लाख रुपए रिश्वत लेते पकड़ा है। जमीन तकासमा के एवज में घूसखोर निरीक्षक ने 5 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। एसीबी टीम गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ करने के साथ ही ऑफिस और घर पर सर्च कर रही है।

डीजी (एसीबी) गोविन्द गुप्ता ने बताया- वृत्त जयपुर पश्चिम के भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार को अरेस्ट किया गया है। एसीबी को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी पुश्तैनी जमीन के तकासमा करवाना था। तकाजमा काम को किए जाने के एवज में भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल की ओर से रिश्वत देने का दबाव बनाया गया। आरोपी भू-अभिलेख निरीक्षक की ओर से 5 लाख रुपए की रिश्वत की डिमांड की गई। एसीबी की ओर से घूस को लेकर सत्यापन करवाया गया।

वेरिफिकेशन के दौरान परिवादी को 20 हजार रुपए लेकर भेजा गया। रिश्वत के 20 हजार रुपए लेकर आरोपी निरीक्षक अनिल से 4 लाख रुपए में तकासमा करवाने का सौदा तय हुआ। जिसमें 1 लाख रुपए खुद के लिए और 3 लाख रुपए उपखण्ड अधिकारी जयपुर-प्रथम के लिए मांगना बताया। एसीबी की ओर से वेरिफिकेशन (सत्यापन) के बाद ट्रेप का आयोजन किया गया। एसीबी टीम ने शुक्रवार दोपहर रिश्वत के 3.80 लाख रुपए लेते आरोपी भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार को रंगे हाथों धर-दबोचा लिया गया।

एनएसएस शिविर के पांचवें दिन उपभोक्ता संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों ने नाटक और रैली से दिया संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत शुक्रवार को पांचवें दिन उपभोक्ता संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्नेहा सिंह और डॉ. कल्पेश निकावत ने बताया कि शिविर के तहत स्वयंसेवी विद्यार्थियों ने पीएम श्री स्कूल सुखेर में नाटक के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों को उपभोक्ता अधिकारों और जिम्मेदारियों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में खरीद-बिक्री के दौरान होने वाली धोखाधड़ी से बचाव और उपभोक्ता कानूनों के बारे में भी सरल तरीके से समझाया। कार्यक्रम के बाद विधि महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने सुखेर और रघुनाथपुरा गांव में उपभोक्ता संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान ग्रामीणों को उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित पेम्फलेट वितरित किए गए और लोगों को जागरूक उपभोक्ता बनने का संदेश दिया गया। स्वयंसेवकों ने आमजन से अपील की कि किसी भी वस्तु या सेवा को खरीदते समय बिल अवश्य लें, उत्पाद की गुणवत्ता और मानकों की जांच करें तथा किसी प्रकार की शिकायत होने पर उपभोक्ता मंच का सहारा लें। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों और विद्यार्थियों को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया।

उदयपुर में स्वर्णकार समाज का युवा शक्ति सम्मेलन, 'संस्कारों की स्वर यात्रा' गीतमाला का होगा भव्य लोकार्पण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, जिला उदयपुर के तत्वावधान और राजस्थान प्रदेश मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज संस्था के मार्गदर्शन में 1 मार्च को जिला स्तरीय "युवा शक्ति सम्मेलन" तथा 'संस्कारों की स्वर यात्रा – गीतमाला' का भव्य लोकार्पण एवं प्रीमियर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम न्यू ऑडिटोरियम, हॉस्पिटल परिसर, हाथीपोल में होगा। आयोजन को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला अध्यक्ष रामलाल कुलथिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वर्णकार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मायछ होंगे, जबकि राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। राजस्थान प्रदेश रोजगार प्रकोष्ठ प्रमुख महेशचंद्र अडानिया ने बताया कि सुबह 9 बजे से युवा शक्ति सम्मेलन का शुभारंभ होगा। इसमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियों को सामाजिक संस्कार, जिम्मेदारी, शारीरिक स्वास्थ्य, अनुशासन, आर्थिक समझ, बचत, आत्मनिर्भरता, राजनीतिक जागरूकता, नागरिक कर्तव्य, आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। शिक्षा, व्यवसाय, नौकरी, कला और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले युवाओं के प्रेरक उद्बोधन भी होंगे। सम्मेलन में प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार एवं चाय की व्यवस्था रहेगी और समापन पर युवा सम्मान भोज भी आयोजित किया जाएगा। उदयपुर संभाग प्रभारी मेघराज ददोलिया ने बताया कि दोपहर 2:30 बजे 'गीतमाला – संस्कारों की स्वर यात्रा' का भव्य लोकार्पण और सिनेमैटिक प्रीमियर होगा। वरिष्ठ समाजसेवी संजय सुरजनवाल द्वारा लिखित, संगीतबद्ध और दृश्यांकित इस गीतमाला में 14 गीत, भजन, 4 मोबाइल रिंगटोन और जुलूस धुन शामिल हैं, जिन्हें विशाल एलईडी स्क्रीन और आधुनिक ध्वनि व्यवस्था के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों को गीतों की लिरिक्स पुस्तक भी वितरित की जाएगी। जिला कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार सिंगत ने बताया कि इस आयोजन में उदयपुर की सभी स्वर्णकार संस्थाओं सहित समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया है और एक हजार से अधिक समाजजनों की उपस्थिति की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन समाज में सांस्कृतिक चेतना, युवा जागरण और एकता का संदेश देने वाला ऐतिहासिक अवसर साबित होगा।

अल्पसंख्यक बालिका आवासीय विद्यालय में गेस्ट फैकल्टी के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 फरवरी। अल्पसंख्यक मामलात विभाग के अधीन संचालित राजकीय अल्पसंख्यक बालिका आवासीय विद्यालयों में गेस्ट फैकल्टी के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उदयपुर जिला मुख्यालय स्थित आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 से 10 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षकों की आवश्यकता को देखते हुए विद्या संबल योजना के तहत निजी अभ्यर्थियों और सेवानिवृत शिक्षकों से आवेदन मांगे गए हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी खुशबू शर्मा ने बताया कि उदयपुर में स्थित आवासीय विद्यालय में नियमानुसार गेस्ट फैकल्टी नियुक्त की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी 13 मार्च को शाम 3 बजे तक संबंधित कार्यालय में आवेदन जमा करा सकते है। प्रत्येक रिक्त पद के लिए अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार कि जाएगी। उर्दू, अंग्रेजी, विज्ञान जैसे विषयों के लिए माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, स्नातक, बीएड और वैध रीट उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

जे.के.सीमेंट की पहल से मांगरोल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का सफल आयोजन संपन्न!

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा। जे.के. सीमेंट वर्क्स लिमिटेड, निम्बाहेड़ा एवं मांगरोल के यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल के निर्देशन पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत ग्राम पंचायत मांगरोल, निम्बाहेड़ा ब्लॉक, जिला चित्तौड़गढ़ में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

जे.के. सीमेंट द्वारा ग्रीन पहाड़ी फाउंडेशन के साथ पार्टनरशिप में स्पर्श प्रोजेक्ट को इंप्लीमेंट करने के लिए आयोजित ग्राम मांगरोल मे इस मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन कार्यक्रम जे.के. सीमेंट के इनिशिएटिव स्पर्श के अंतर्गत किया गया था जिसका उद्देश्य सैनिटरी नैपकिन उपक्रम के मध्यम से महिलाओं को रोजगार के अवसर देना और स्वास्थ्य के प्रति आगामी आने वाले समय मे 40 से अधिक गांव और निंबाहेड़ा नगरपरिषद मे स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता विशेषकर माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता है ।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ जे.के. सीमेंट मांगरोल के टेक्निकल हेड मुरली लड्ढा , जे.के. सीमेंट निंबाहेड़ा एवं मांगरोल के एच. आर. हेड प्रभाकर मिश्रा, मांगरोल सरपंच गोपाल रूल, भुवनेश सिंह - हेड आई. आर और राहुल कुमार हेड सी.एस. आर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम मे जनरल फिजिशियन और गायनिक डॉक्टर की व्यवस्था अनेक टेस्ट और फ्री मेडिसिंस दिए गए।कार्यक्रम से 150 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। प्रत्येक लाभार्थी को व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श के साथ-साथ आवश्यक दवाइयां भी पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गईं। ग्रामीण महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने इस शिविर का लाभ उठाया।

ग्रामवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए जे.के.सीमेंट के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की अपेक्षा जताई।

उदयपुर फाइल्स पर जूली बोले—दोनों भाजपाई, कार्रवाई क्यों नहीं?? क्या है जो दबाया जा रहा!!

मैं मर्यादा रख रहा हूं, वरना एक-एक परत यहीं खुल सकती है

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/उदयपुर। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को एप्रोप्रिएशन बिल पर बहस के दौरान उदयपुर फाइल्स भी चर्चा में आ गई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर सवाल दागे और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही, जबकि पीड़िता और आरोपी दोनों ही भारतीय जनता पार्टी से जुड़े बताए जा रहे हैं। सदन में बोलते हुए जूली ने कहा कि सरकार को इस प्रकरण की गहराई से जांच करवानी चाहिए और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि "एपस्टिन फाइल छोड़ दीजिए, उससे भी बड़ी फाइल है, उसकी जांच करवाइए। मैं सदन की मर्यादा रख रहा हूं, वरना एक-एक परत यहीं खुल सकती है।" नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि उदयपुर में दर्ज इस मामले में पुलिस कार्रवाई को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि रात करीब 11 बजे एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस टीम देर रात मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। जूली के अनुसार बिना महिला पुलिस के घर का दरवाजा तोड़कर गिरफ्तारी की गई, जबकि इस पूरे घटनाक्रम के कई वीडियो मौजूद हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस द्वारा जब्त किए गए सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल फोन जैसे अहम सबूतों को अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। जूली ने कहा कि पुलिस कार्रवाई के बाद सबूतों को तय प्रक्रिया के अनुसार अपलोड किया जाना चाहिए, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है। नेता प्रतिपक्ष ने सदन में यह भी कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि इस मामले को लेकर सीधे दिल्ली से उदयपुर आईजी को फोन गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि आखिर इस पूरे प्रकरण में क्या ऐसा है जिसे दबाया जा रहा है और निष्पक्ष जांच क्यों नहीं करवाई जा रही।

सदन में अन्य मुद्दों पर भी हुई तीखी बहस

विधानसभा की कार्यवाही के दौरान विपक्ष और सरकार के बीच कई अन्य मुद्दों पर भी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। रोडवेज की स्थिति, परवन सिंचाई परियोजना में कथित अनियमितताओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। वहीं परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा और अन्य मंत्रियों ने इन आरोपों का जवाब देते हुए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया। सदन में इन मुद्दों पर सत्ता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर देर तक चलता रहा।

उज्जैन में त्रिमेस समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न, शिक्षा-संस्कार को बताया समाज उन्नति का आधार

24 न्यूज अपडेट

उज्जैन/उदयपुर, 27 फरवरी। महाकाल की नगरी उज्जैन में श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज का अखिल भारतीय अधिवेशन दिव्य संकल्पों और सामाजिक एकजुटता के संदेश के साथ सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने समाज के संगठन, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के राष्ट्रीय संयोजक भूपेन्द्र पण्डया (सागवाड़ा) ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज परिषद मध्यप्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष पंडित सुनील जोशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ इष्टदेव एकलिंगनाथ के पूजन और दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद ॐ नाद, ध्यान और सामूहिक प्रार्थना के साथ अधिवेशन की औपचारिक शुरुआत की गई। मुख्य वक्ता भूपेन्द्र पण्डया ने समाज के संगठनात्मक ढांचे, अखिल भारतीय स्तर पर संस्थान के विधान एवं कार्यकारिणी गठन, विभिन्न राज्यों में समाज के सदस्यों को जोड़ने तथा युवा पीढ़ी में संस्कार और शिक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया। अधिवेशन में पवन अमरावत, लक्ष्मीनारायण पण्डया, प्रियकांत पण्डया, पुरुषोत्तम जोशी, विजेश मालपुर, शैलेश ठाकर, गोमतीशंकर पण्डया और महेश जोशी सहित कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की प्रगति का मूल आधार शिक्षा, संस्कार और संगठनात्मक एकता है। बैठक में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार, सामूहिक विवाह, रोटी-व्यवहार और बेटी-व्यवहार जैसे सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही जरूरतमंद समाजजनों को धार्मिक स्थलों की तीर्थयात्रा करवाने तथा उदयपुर में लगभग 18 हजार वर्गफीट भूमि पर अखिल भारतीय स्तर के समाज भवन निर्माण की योजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सचिव विनोद पानेरी ने किया तथा आभार अनिल पण्डया आंजना ने व्यक्त किया। 20 हजार वर्गफीट में बनेगा एकलिंगनाथ मंदिर अधिवेशन के दौरान उज्जैन के पंचक्रोशी पड़ाव-3 बड़नगर रोड स्थित ग्राम नलवा में मेवाड़ के आराध्य भगवान एकलिंगनाथ के भव्य मंदिर, गुरुकुल और गोशाला निर्माण के लिए भूमिपूजन भी किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ राजघराने के महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि महाकाल की नगरी में त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज द्वारा एकलिंगनाथ मंदिर निर्माण का संकल्प मेवाड़ और मालवा के सांस्कृतिक संगम का प्रतीक है। भूमिपूजन अनुष्ठान महेन्द्रानंद गिरि महाराज, रामनाथ महाराज और दयाराम महाराज सहित संतों के सानिध्य में 151 दंपतियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में उदयपुर संभाग के साथ-साथ महाराष्ट्र, गुजरात और मध्यप्रदेश से आए दो हजार से अधिक समाजजन उपस्थित रहे। सात करोड़ की लागत से बनेगा मंदिर मंदिर लगभग 20 हजार वर्गफीट क्षेत्र में सफेद संगमरमर से निर्मित किया जाएगा, जबकि शिवलिंग काले पत्थर का स्थापित होगा। पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब सात करोड़ रुपये आंकी गई है। मंदिर का डिज़ाइन अहमदाबाद के प्रसिद्ध सोमपुरा परिवार ने तैयार किया है, जिसने राम मंदिर का डिज़ाइन भी बनाया था। मंदिर परिसर में गुरुकुल और गोशाला का निर्माण भी प्रस्तावित है, जबकि इसका निर्माण कार्य आगामी सिंहस्थ से पूर्व 2028 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

पारस हेल्थ उदयपुर ने एडवांस्ड कीहोल सर्जरी करके कई ब्रेन ट्यूमर निकाले

24 न्यूज अपडेट

उदयपुरः पारस हेल्थ उदयपुर ने एक 36 साल की महिला की न्यूरोनेविगेशन-गाइडेड कीहोल सर्जरी सफलतापूर्वक की है। इस 36 वर्षीय महिला को लंग कार्सिनोमा की वजह से मस्तिष्क (ब्रेन) में कई मेटास्टेसिस होने का पता चला था। यह एक ऐसी कैंसर बीमारी है जिसमें कैंसर फेफड़े (लंग) से मस्तिष्क (ब्रेन) तक फैल जाता है। इस जटिल लेकिन मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया को पारस हेल्थ उदयपुर के सीनियर न्यूरोसर्जन डॉ. अजीत सिंह ने एडवांस्ड हाई-प्रिसिजन न्यूरोनेविगेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके किया। सर्जरी के बाद मरीज़ अब ठीक हो रही है। महिला लंग कार्सिनोमा के लिए कीमोथेरेपी करवा रही थी और उसकी हालत स्थिर (स्टेबल) थी, लेकिन उसे लगातार सिरदर्द, बार-बार उल्टी और धीरे-धीरे उसमें उनींदापन (नींद लगना) ज्यादा रहने लगा। MRI ब्रेन और PET स्कैन जांच से पता चला कि ब्रेन के अलग-अलग हिस्सों में कई ब्रेन मेटास्टेसिस थे। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें अक्सर सर्जरी करने में बहुत खतरा रहता है और बीमारी के लक्षणों को लेकर सावधानी बरतनी होती है। कई ब्रेन मेटास्टेसिस के लिए आम तौर पर अलग-अलग ब्रेन क्वाड्रंट में कई बड़ी क्रेनियोटॉमी की ज़रूरत होती है या जटिलताओं, लंबे समय तक हॉस्पिटल में रहने और ऑपरेशन के बाद न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के ज़्यादा खतरे की वजह से उन्हें सावधानी से मैनेज किया जाता है। इस केस में सर्जिकल टीम ने मिनिमली इनवेसिव, न्यूरोनेविगेशन-गाइडेड तरीका चुना। हाई-प्रिसिजन न्यूरोनेविगेशन सिस्टम और बहुत सावधानी से प्रीऑपरेटिव मैपिंग का इस्तेमाल करके, सर्जन सोच-समझकर की गई छोटी क्रेनियोटॉमी के ज़रिए बड़े मेटास्टैटिक घावों को पता कर पाए और वहां तक पहुंच पाए, जिससे आस-पास के स्वस्थ ब्रेन टिशू को कम से कम नुकसान हुआ। प्रक्रिया के बारे में समझाते हुए डॉ. अजीत सिंह ने कहा, "न्यूरोनेविगेशन और माइक्रो सर्जिकल तकनीक में नए-नए अविष्कार होने से जटिल मामलों में भी जिसमें कि कई सारे मेटास्टेसिस होते हैं, उनको भी बहुत ही सुरक्षा और सटीकता के साथ ठीक किया जा सकता है। सावधानी से योजना बनाने, तकनीक का उपयोग करने और कई तरह के काम करने के तरीके ने ऐसी बीमारियों को, जिन्हें कभी जानलेवा माना जाता था, अब इलाज़ योग्य बीमारियों में बदल दिया है। इससे मरीज़ों को इलाज के अच्छे विकल्प मिले हैं और ज़िंदगी की गुणवत्ता बेहतर हुई है। सर्जरी बहुत ही सही तरीके से हुई। इसमें बहुत ही कम खून बहा और कोई भी कॉम्प्लिकेशंस ऑपरेशन के दौरान नहीं हुआ। इसके अलावा सर्जिकल कैविटी के अंदर एक फाइबर रिज़र्वॉयर रखा गया ताकि भविष्य में ज़रूरत पड़ने पर एनालॉगेड इंटरथेकल थेरेपी को आसान बनाया जा सके। मरीज़ में ऑपरेशन के बाद के समय में न्यूरोलॉजिकल सुधार काफ़ी दिखा और उसे उसके निश्चित ऑनकोलॉजिकल मैनेजमेंट के तहत पूरे दिमाग की रेडियोथेरेपी की सलाह दी गई है। डॉ. सिंह ने कहा, "ब्रेन में कई मेटास्टेसिस होने से इसके इलाज के लिए केस का चयन और न्यूरोसर्जरी, ऑन्कोलॉजी और रेडियोलॉजी टीमों के बीच अच्छे तालमेल की ज़रूरत होती है। चुने हुए मरीज़ जो सिस्टमिक रूप से स्थिर रहते हैं, उनमें एग्रेसिव लेकिन मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल इंटरवेंशन से न्यूरोलॉजिकल लक्षणों में काफ़ी सुधार हो सकता है और सिस्टमिक कैंसर थेरेपी जारी रखने में मदद मिल सकती है। यह केस जटिल मेटास्टैटिक ब्रेन बीमारी को मैनेज करने में एडवांस्ड न्यूरोनेविगेशन-असिस्टेड न्यूरोसर्जरी की बढ़ती भूमिका पर ज़ोर देता है और इलाज़ के परिणामों को बेहतर बनाने में इंटीग्रेटेड और मल्टीडिसिप्लिनरी कैंसर देखभाल के महत्व को दिखाता है।

मौसम विभाग ने बताया, 3 मार्च को पूर्ण चंद्र ग्रहण, भारत के अधिकांश हिस्सों में चंद्रोदय के समय दिखेगा समापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आगामी पूर्ण चंद्र ग्रहण मंगलवार, 3 मार्च 2026 (12 फाल्गुन, शक संवत 1947) को घटित होगा। यह खगोलीय घटना भारत के पश्चिमी भाग के कुछ स्थानों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में आंशिक रूप से दिखाई देगी। मौसम विभाग के अनुसार यह चंद्र ग्रहण उस दिन शाम के समय शुरू होगा। हालांकि भारत के अधिकांश क्षेत्रों में चंद्रमा के उदय के समय ग्रहण का अंतिम चरण ही दिखाई देगा। वहीं उत्तर-पूर्वी भारत तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ स्थानों पर ग्रहण के पूर्ण चरण का अंत भी देखा जा सकेगा। ग्रहण भारतीय मानक समय के अनुसार दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर प्रारंभ होगा और शाम 6 बजकर 48 मिनट पर समाप्त होगा। इस दौरान ग्रहण की पूर्ण अवस्था शाम 4 बजकर 34 मिनट से शुरू होकर 5 बजकर 33 मिनट तक रहेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार इस ग्रहण का परिमाण 1.155 रहेगा। यह खगोलीय घटना पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर क्षेत्र तथा अमेरिका के कई हिस्सों से स्पष्ट रूप से देखी जा सकेगी। खगोल विज्ञान के अनुसार चंद्र ग्रहण पूर्णिमा की रात तब होता है, जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आ जाते हैं और पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। जब पूरा चंद्रमा पृथ्वी की प्रच्छाया से ढक जाता है तो उसे पूर्ण चंद्र ग्रहण कहा जाता है, जबकि आंशिक रूप से ढकने पर आंशिक चंद्र ग्रहण होता है। गौरतलब है कि भारत में इससे पहले 7–8 सितंबर 2025 का चंद्र ग्रहण पूर्ण चंद्र ग्रहण के रूप में दिखाई दिया था। वहीं भारत में अगला दृश्य चंद्र ग्रहण 6 जुलाई 2028 का चंद्र ग्रहण होगा, जो आंशिक चंद्र ग्रहण रहेगा।

तीन दिवसीय एमएस एक्सेल कार्यशाला का समापन, विद्यार्थियों को मिला रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग की ओर से रूसा के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय एमएस एक्सेल कार्यशाला का वाणिज्य महाविद्यालय के कंप्यूटर लैब में सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला का आयोजन कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत के मार्गदर्शन और शुभाशीष में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल कौशल से परिचित कराया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में एमएस एक्सेल केवल एक सॉफ्टवेयर नहीं बल्कि वाणिज्य और प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक उपकरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि डेटा विश्लेषण, वित्तीय प्रबंधन और कार्यालयी कार्यों में एक्सेल की दक्षता युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास करने और कार्यशाला में सीखे गए कौशल को व्यवहारिक जीवन में अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पारुल दशोरा ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को डेटा मैनेजमेंट, एडवांस फंक्शंस, डेटा विश्लेषण तथा एक्सेल के विभिन्न व्यावहारिक अनुप्रयोगों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख तकनीकी दक्षता प्रदान करना और उन्हें आधुनिक कार्यसंस्कृति के अनुरूप तैयार करना था। प्रशिक्षण के सूत्रधार के रूप में चार्टर्ड अकाउंटेंट रितेश पारख ने प्रतिभागियों को एक्सेल के व्यावहारिक उपयोग, डेटा हैंडलिंग और विश्लेषण की तकनीकों से अवगत कराया। समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यशाला के अंतर्गत आयोजित क्विज प्रतियोगिता में बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर की रिद्धिमा जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बी.कॉम. तृतीय सेमेस्टर की मनाली सोलंकी द्वितीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर सह-अधिष्ठाता डॉ. शिल्पा वर्डिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रियंका जैन, नेहा पंड्या, हीना सालवी, कलीम खान, शालिनी चास्टा, भक्ति कुमावत और दीक्षांत सेन सहित विभाग के अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृति तिथि 31 मार्च तक बढ़ाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 फरवरी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थाओं के लिये पोर्टल पुनः शुरू कर दिया गया है। इससे पूर्व उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से संबंधित शिक्षण संस्थाओं के लिये छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीयन/नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता पाठ्यक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि सूचनाएं अपडेट करने के लिये पोर्टल पर व्यवस्था शुरू कर दी गई थी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि शिक्षण संस्था से संबंधित सूचनाएं एवं दस्तावेजों की निर्धारित स्थान एवं निर्देशानुसार पूर्ति करना सुनिश्चित करें। सूचना सबमिट करने से पूर्व विशेष रूप से जाँच लें कि सभी सूचना पूर्ण एवं सही भरी जायें। आवश्यक दस्तावेज एवं फीस की सूचना भी सही रूप में दर्ज करें ताकि बाद में कठिनाई नहीं आयें। उक्त सूचना अद्यत्तन का कार्य 31 मार्च 2026 तक किया जा सकेगा। योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष समूह योजना (पूर्व में विशेष पिछड़ा वर्ग), अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछडा वर्ग, विमुक्त राहित अन्य छात्रवृति योजनाओं में आवेदन कर सकेंगे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।